एंजियोप्लास्टी से गुर्दे को खतरा

किडनी की धमनियों में अवरोध या रक्त के थक्कों को हटाने के लिए की जाने वाली एंजियोप्लास्टी खुद किडनी के लिए घातक साबित हो सकती है। यह दावा अमेरिका के एक वैज्ञानिक मैथ्यू एडवर्ड्स ने किया है।

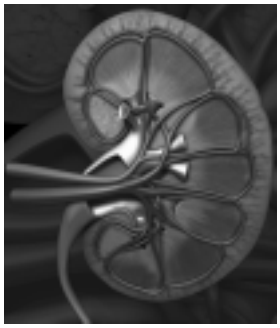

वैकफॉरेस्ट विश्वविद्यालय के बैप्टिस्ट मेडिकल सेंटर में प्रोफेसर व वरिष्ठ शोधकर्ता एडवर्ड्स बताते हैं कि एंजियोप्लास्टी के दौरान धमनियों में हज़ारों छोटे-छोटे कण फैल जाते हैं। उनके मुताबिक ये ऐसे पहले आंकडे हैं जो दर्शाते हैं कि एंजियोप्लास्टी व स्टेंटिंग के दौरान निकलने वाले इन कणों का मलबा अंततः किडनी में जाकर उसकी कार्यप्रणाली को ठप कर देता है।

सवाल यह है कि आखिरकार ये रक्त कण आते कहां से हैं? दरअसल, ये कण धमनियों में जमे रक्त के थक्के के ही होते हैं। एंजियोप्लास्टी के दौरान जब इस थक्के को हटाया जाता है, तब उसके टूटने से हज़ारों रक्त कण फैलते हैं।

यह अध्ययन हाल ही में *जर्नल फॉर वैस्क्यूलर सर्जरी* में प्रकाशित हुआ है। 28 एंजियोप्लास्टी सर्जरियों के माध्यम से यह अध्ययन किया गया था। इसके तहत प्रत्येक एंजियोप्लाटी सर्जरी के दौरान धमनियों को एक सुरक्षा उपकरण लगाकर बंद रखा गया था। सर्जरी के बाद जब उस सुरक्षा उपकरण में एकत्रित रक्त के एक-एक नमूने लेकर उनका परीक्षण किया गया तो उनमें रक्त के औसतन 2,000 कण पाए गए। एडवर्ड्स कहते हैं कि इनमें से कई तो इतने बड़े थे कि किडनी की छोटी रक्त नलियों को अवरुद्ध कर सकते थे। जिसके रक्त में जितने अधिक कण होंगे, उसकी किडनी की कार्य प्रणाली के भी उतने ही खराब ढंग से काम करने की आशंका बनी रहेगी।

यह अध्ययन कहता है कि एंजियोप्लास्टी के बाद लगने वाले स्टेंट के आकार की भी इसमें अहम भूमिका है। साथ ही इसमें यह सवाल भी उठाया गया है कि क्या इस मलबे को रोकने या उसे फिल्टर करने के बेहतर नतीजे हो सकते हैं। शोधकर्ता के अनुसार ऐसे नए पुर्ज़े भी उपलब्ध हैं जो इन छोटे-छोटे कणों के मलबे को किडनी में जाने से रोक सकते हैं। इस प्रकार किडनी को क्षतिग्रस्त होने से बचाया जा सकता है। इस बारे में और भी चिकित्सकीय प्रयोग किए जा रहे हैं।

गौरतलब है कि भारत में आम तौर पर हृदय रोगियों के लिए एंजियोप्लास्टी का इस्तेमाल किया जाता है, लेकिन अमेरिका जैसे विकसित देशों में किडनी की भी एंजियोप्लास्टी प्रचलित है। वहां हर साल 40 से 80 हजार लोगों की किडनी एंजियोप्लास्टी की जाती है। अमेरिका में 65 साल से अधिक उम्र के करीब लोग 35 लाख लोग किडनी में अवरोध की समस्या से ग्रस्त हैं। इसकी वजह से इन रोगियों में हार्ट अटैक की आशंका ज़्यादा होती है। शायद इसी कारण से वहां किडनी एंजियोप्लास्टी करवाकर किडनी की धमनियों में से अवरोध दूर करने की कवायद होती है। (***स्रोत फीचर्स***)